टेलीफोन बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ख) टेलीफोन तथा टेलीफोनों के अन्य उपकरण कब से पूर्णतः भारत में बनाये जा रहे हैं;

(ग) क्या कुछ फालतू पुर्जे अब भी विदेशों से आयात किये जाते हैं; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

संसद्-कार्य तथा संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल): (क) तीसरी पंचवर्षीय योजना की अवधि में भारत में बने टेलीफोनों (1963–64 से हेडगीयर-सेटों समेत) की संख्या निम्न प्रकार थी :

1961–62	. .	1,16,701
1962–63	. .	1,32,000
1963–64	. .	1,46,132
1964–65	. .	1,55,304
1965–66	. .	2,01,019

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना अवधि के लिये 12,00,000 टेलीफोनों (हेड-गीयर-सेटों समेत) के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।

(ख) 1954 से टेलीफोनों के निर्माण के लिये अपेक्षित प्रायः सभी हिस्से-पुर्जे इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लि० बंगलौर में ही बनाये जा रहे हैं । टेलीफोनों से इतर दूर-संचार उपकरणों के निर्माण के सम्बन्ध में आई० टी० आई० लि० अपना निर्माण-क्षेत्र शनैः शनैः विस्तृत करता रहा है ।

(ग) जी हां ।

(घ) फालतू हिस्सों-पुर्जों की कुछ छोटी-छोटी मदें या तो देश में उपलब्ध नहीं हैं या उनकी जरूरत इतनी कम मात्रा में पड़ती है कि उनका देश में निर्माण आरम्भ करना मितव्ययिता-पूर्ण न होगा ।

Cultural Delegations

3882. Shri K. Pradhani:
Shri Ramachandra Ulaka:
Shri Dhuleshwar Meena:
Shri Heerji Bhai:

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) the number of Cultural Delegations sent.. to the foreign countries during the last four months;

(b) the countries visited by them; and

(c) the results achieved from the visits of such delegations?

The Minister of Education (Dr. Triguna Sen): (a) Five.

(b) USSR, Hungary, Czechoslovakia, Yugoslavia, France and Bhutan.

(c) The performances of our artistes were highly appreciated and India's heritage was presented in its true perspective abroad. The visits also helped to promote mutual understanding and goodwill and foster closer relations with foreign countries.

Propagation of Hindi in Assam

3883. Shri B. N. Shastri: Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether any grant has been given by the Union Government to the State Government of Assam under the scheme of propagation of Hindi in the non-Hindi speaking States during 1964-65, 1965-66, 1966-67; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of State in the Ministry of Education (Shri Bhagwat Jha Azad): (a) and (b). The following grants were sanctioned to the State Government of Assam under the scheme of propagation of Hindi:

the non-Hindi speaking States during the years 1964-65 to 1966-67.

Purpose of the grant.	Amount sanctioned during 1964-65 Rs.	1965-66 Rs.	1966-67 Rs.
Appointment of Hindi Teachers	1,76,706	4,27,000	1,50,000
Establishment of Hindi Teachers Training Colleges in the State	..	64,000*	..

One Paise Postage Stamps

3884. Shri B. N. Shastri: Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) whether the Post and Telegraphs Department has stopped printing one paise postage stamps; and

(b) if not, whether Government are aware that one paise postage stamps are not available in the Post Offices particularly in the Parliament House Post Office?

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri I. K. Gujral): (a) Yes, Sir

(b) Does not arise.

शिक्षा पर विचार गोष्ठी

3885. श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री [illegible] :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि शिक्षा विचार-गोष्ठियां आयोजित करते समय पश्चिमी विचारधारा के शिक्षा शास्त्र निमंत्रित किया जाता है;

(ख) क्या यह भी सच है कि गोष्ठियों में संस्कृत के विशेषज्ञों एवं वि को नहीं बुलाया जाता;

(ग) क्या सरकार को इस सम्ब कुछ शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं; और

(घ) यदि हां, तो ऐसी शिकायत दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की गई

शिक्षा मंत्री (डा० त्रिगुण (क) और (ख). शिक्षा के सम्ब जब कभी भी संगोष्ठियां आयोजित की हैं, तो उनके लिये विषय विशेष में रखने वाले विशेषज्ञों को आमंत्रित जाता है। उनका दृष्टिकोण पाश्चा अथवा पौर्वात्य इस बात का ख्याल नहीं जाता है।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

जम्मू में प्रदर्शन

3886. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री ओंकार लाल बेरवा
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिय
श्री हुकम चन्द कछवाय
श्री राम गोपाल शालवा
श्री शिव कुमार शास्त्री
श्री रामावतार शर्मा :
श्री [illegible] :

*This grant remained unutilised during 1965-66 and was, therefore carried forward to 1966-67.